वक्त का ट्रेफिक जॉम

आपको एक अर्जेन्ट मींटिग में जाना है और आपका सुबह दस बजे का आपके अफिस में अपाइमेंन्ट है, । घर से आफिस तक पहूंचने में आपको लगभग 25 मिनिट लगता है । इस केलकुलेशन से अगर आप सुबह 9.35 पर घर से निकलते है, तो संभावना यह है, आप शायद ही समय पर मींटिग में पहुंच पाए । क्योंकि आपके घर से आपके गंतव्य स्थल तक पहुंचने में कई तरह के व्यवधान आने की संभावना है जिसकी वजह से आपको कई जगह रूकना पड़ सकता है, मसलन चौराहे की लाल बत्ती, किसी नेता का गुजरता हुआ काफिला, निर्माणाधीन रास्ते की वजह से डायवर्टेड मार्ग का यातायात, किसी प्रदर्शन या जुलूस की वजह से ट्रेफिक जॉम। अकर अपनी अर्जेन्ट मींटिग में आप को वक्त पर पहुंचना है, तो आप इन संभावनाओं पर पहले ही विचार कर लेते है, क्योंकि बिना प्लॉनिग के आपको देरी होने की पूरी संभावना है । और अगर आपकी मींटिग अर्जेन्ट के साथ-साथ इर्म्पोटेन्ट भी है, तो आप अपनी प्लॉनिग को और ज्यादा सीरियसली और सावधानीपूर्ण करते है ।

ठीक इसी तरह आज की तेज रफ्तार जिदंगी में चाहे आप जॉब में है या बिजनेस में, हर कोई व्यस्त है, हर किसी को अपनी मंजिल को जल्द से जल्द पाना है । इसके लिए आपके पास टॉरगेट है, डेड लाइन्स Deadlinè है । आप अक्सर भागदौड़ में रहते हैं ? सप्ताह के अंत में भी आप काम पर रहते है ? लगातार थकान और कारपोरेट बर्नआउट से आप ग्रसित रहते है ? नतीजा थकान, असफलता Demotivation । लगातार बजती हुई टेलीफोन की घंटी, बिना अपॉइमेंन्ट लिए आपका बहुत पुराना परिचित, साथ ही बीच-बीच में मोबाइल फोन का व्यवधान । और इन सबके बीच में आपको अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट भी बनानी है । मन में सवाल उठता है, कि यह रिपोर्ट आपने पहले ही बना ली होती, तो आप यह स्थिति तो नही होती ?

अगर अपना समय यूं ही बर्बाद कर देते है, बाद में शिकायत करते हुए, झल्लाए नजर आते है, कि क्या करे, डेड लाइन्स ही पूरी नहीं हो पाती ? आप कहते है, हम समय का सही मैनेजमेंट नहीं कर पाते ? याद रखिए समय किसी का मोहताज नहीं है औरन वक्त की सुईयां लगातार चलती रहती है । बस जरूरत है, समय का अधिकतम उपयोग करने की । वैसे भी सफलता की रेसिपी में, main ingredient तो टाइम-मैनेजमेंन्ट ही है।

सफलता पाने के लिए जरूरी है, कार्यो का उसके महत्व के आधार पर वर्गीकरण । आपके द्वारा किए गए कार्यो के परिणाम पर ही आपकी सफलता निर्भर करती है । जब तक आप अर्जेन्ट और इर्म्पोटेन्ट में फर्क करना नहीं सीखेगे, तब तक आप हमेशा समय की कमी का रोना रोते रहेगें ।

वर्षा अजीत वरवंडकर
फाउण्डेशन सर्विसेज
रायपुर